

ईश्वर ने हनुमा विश्वास



'अधूरा'
के सेट से वापस
कमरे में आने में...
पेज 12 पर

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com

● रांची

● श्रावण कृष्ण पक्ष 01

● विक्रम संवत् 2080

● मंगलवार, 04 जुलाई 2023

● वर्ष-24

● अंक- 151

● पृष्ठ-12

● मूल्य ₹ 2.00



ॐ तत्त्वं एश्वराय



राजकीय श्रावणी मेला

में सभी श्रद्धालुओं और कांवरियों का

सांस्कृतिक अभिनंदन
और जोखार

भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों
की मनोकामना पूर्ण करें



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 301304 (IPRD) 2023-24

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

बरसात में सावधानी जरुरी

बरसात का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में कई तरह की प्राकृतिक बीमारियां अवसर की तलाश में रहती हैं। झारखण्ड के पहाड़ी और पठारी इलाकों में ऐसे जानलेवा खतरे प्रकृति प्रदर्श होते हैं। अभी हाल में प्रभावशाली खतरों के बारे में अधिक लोगों ने जानकारी दी है। यह खतरा सर्वाधिक खतरानाक है। ऐसे में सरकारी ही इसका रसात है। कारण यह खतरानाक रूप लेता जा रहा है। छोटानगापुर के इलाकों में इसका खासा असर दिखने को मिलता है। राज्य और केन्द्र सरकार लोगों को जागरूक करने में लगा है। लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। बरसात के मौसम में सर्वी, खांसी, बुखार का लगना जारी हो जाता है। दूसरी तरफ गमीन इलाकों में सर्प दंड भी सैकड़ों लोगों की जाने जाती हैं। मौसम के प्राकृतिक खतरों के अलावे उससे भी गर्मी से भी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। दूसरी तरफ जंगली क्षेत्रों में हाथी का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में इनकी गतिविधियों पर नजर रख कर खतरों का टाला रखा जाता है। कारण इन घटनाओं में सैकड़ों लोगों की जानें अपनी जान खाली जाती हैं। नदी और नालों का जलस्तर बढ़ जाने के कारण भी कई मौतें होती हैं। सरकार और समाज जाह जाये तो इन खतरों से बचना मुश्किल नहीं है। लेकिन ऐसा होता रहिए तो उसका खतरा नहीं है। जिस कारण बरसात के मौसम में हजारों लोग अपनी जान खो बैठते हैं। ऐसे में इस मौसम में ऐसे तमाम प्राकृतिक खतरों से बचने के लिए जागरूकता के साथ-साथ सरकात पर ध्यान देने की जरूरत है। प्राकृतिक आपावा से बचाव के लिए आने वाले सतकता संदेश को गंभीरता से लेने की जरूरत है। बरहराल प्रकृति के इस मौसम में आनंद की भी कोई कमी नहीं है। नंगे पहाड़ों पर हरियाली और प्रकृति के रोम-रोम में पानी बरसने से उल्लास का नजारा देखने को मिलता है। ऐसे में बरसात के पानी का आनंद लेना चाहिए। लेकिन यह भी बहुत चाहिए कि पहली बार मैं भींगने से फंगल फैलकराना, दाढ़, घैरियां और एलाणी की समस्या हो जाए जाए। अगर बारिंग में काई व्यक्ति भींग जाता है तो पानी और धूल मिट्टी के बजह से स्किन गंदी हो जाती है। भींगने के बाद लंबे समय तक गीते कपड़े पहने रहने से स्किन की समस्या होती है। ऐसे में बारिंग में अगर कोई भींग गया है तो साफ पानी से नहाना जरूरी है। ऐसा नहीं होने से बुखार की समस्या से इनकर की भी नहीं किया जा सकता है। कारण शरीर तांत्रिक भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाए जाती है। जिस बजह से कई प्रकार की परेशनियां आ जाती हैं। ऐसे मौसम का आना और जाना लगा रहता है। जाड़ा, गर्मी और बरसात की भी अपनी-अपनी खूबियां और कमियां रहती हैं। बस जरूरत है मौसम के अनुरूप अपने आप को ढाल लेना। वह तभी संभव है जब हम-सब प्रकृति के साथ ताल मेल बैठा लेंगे। यह बहुत जरूरी है। कारण प्रकृति के जहां हांसती है, उसके खाली लालों से भी ठाँचे नहीं रहती है। ऐसे में प्रकृति के बताये तासे पर चल कर बहुत सारे आपावांओं से बचने की जरूरत है। ऐसा नहीं होने पर उसके गुरुसे का सामना करने से कोई नहीं रोक सकता है। मौसम हमारे जीवन में अहम रोल अदा करते हैं। बस जरूरत है उनके संगीत को अच्छी तरह से सुनना। ऐसे में अच्छे श्रोता की तरह उसकी आवाज को हम सब सुनें।

राज्य और केन्द्र
सरकार लोगों को
जागरूक करने में लगी
है। लेकिन अभी तक
सफलता नहीं मिली है।

बरसात के मौसम में
सर्वी, खांसी, बुखार का
लगना जारी हो जाता
है।

प्रधानमंत्री ने एन्ड्रू मोदी का दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के शताब्दी समारोह के अंत में मौजूद रहना इस बात की गवाही है कि वह कितना खास शिक्षण संस्थान है।

महात्मा गांधी 12 अप्रैल, 1915 को पहली बार दिल्ली आये थे। उनके साथ कस्तूरी वाम गांधी जी भी थे। उनका सेंट स्टीफ़ेस कालेज के प्रिंसिपल शुशील कुमार रुद्रा ने स्वागत किया। वे रुद्रा साहब के कालेज परिसर में बने आवास में ही ठहरे। वह कश्मीरी गेट स्थित कॉलेज इमारत अब भी है। अब भी सेंट स्टीफ़ेस कालेज जिप्रिसिपल के कक्ष में एक बड़ी सी बुध फोटो लगी है, जो गांधी जी की उस वात्रा की याद दिलाती है। गांधी जी उसके बाद भी वहां आते रहे।

वे जब भी वहां आए तो उनका सेंट स्टीफ़ेस और हिंदू कालेज के छात्रों और अध्यापकों ने स्वागत किया। हालांकि वे जब पहली बार दिल्ली के स्थापना तक नहीं हुई थी। तब तक वहां के कालेज पंजाब यूनिवर्सिटी का ही किस्मात् था। डीयू तो औपचारिक रूप से 1922 में स्थापित हुई। वेशक राष्ट्र निर्माण में डीयू का योगदान शानदार रहा है। इसमें देशभर के नौजवान उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आपावा के अलावा डिल्ली कालेज, श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स (एसआरसीसी) को कॉर्मर्स कोर्सेंज के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है।

शानदार भूमिका निभाई है।



वेशक, हिंदू कालेज तथा इंद्रप्रस्थ कन्या हिंदू विद्यालय विद्यालय ने राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उधर, श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स (एसआरसीसी) को कॉर्मर्स कोर्सेंज के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है।

2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस की भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मालीवा के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कालेज औफ कॉर्मर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष थाना है। इन्होंने वेशक राष्ट्रीय विद्यालय के लिए भारत का सबसे उत्तम कालेज माना जाता है। वहां से ही पूर्व केन्द्रीय मंत्री विधान अरुण जेटली, ईश्वरी परमाणुलाली रजत शशी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जित

